SHORT NOTICE QUESTION

यूकेरिस्टिक कांग्रेस की कार्यवाही का प्रसारण

+

S.N.Q. 1

श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :
श्री किशन पटनायक :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री कोल्ला वेंकैया :
श्री सू० ला० वर्मा :
श्री अ० प्र० सिंह :
श्री केसर लाल :
श्री बड़े :
श्री विश्राम प्रसाद :
श्री इन्द्रजीत लाल म त्रा :
श्री काशी राम गुप्त
श्री बीरेन दत्त :
श्री गौरी शंकर कक्कड़ :
श्री समनानी :
श्री अब्दुल गनी गोनी :
श्री मोहन स्वरूप :
श्री प० ह० भील :
श्रीमती सावित्री निगम :
श्री बाल्मीकी :
श्री साधू राम :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 28 नवम्बर, 1964 से बम्बई में हो रही यूकेरिस्टिक कांग्रेस की कार्यवाही का आकाशवाणी से प्रसारण किया गया :

(ख) यदि हां, तो इस बारे में आकाशवाणी द्वारा बनाये गये कार्यक्रम का क्या ब्योरा है ;

(ग) क्या आकाशवानी द्वारा पहले भी कभी ऐसे सम्प्रदायवादी कार्यक्रम प्रसारित किये गये हैं ;

(घ) यदि नहीं, तो यूकैरिस्टिक कांग्रेस को यह सुविधा दिये जाने के क्या कारण हैं ; और

(ङ) क्या इस बारे में सरकार ने कोई नयी नीति बनायी है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) और (ख). ईसाई सम्मेलन की कार्रवाई इस रूप में प्रसारित नहीं की जा रही है, । फिर भी, समाचारों, समाचार-दर्शनों और अन्य उपयुक्त प्रसारण में इस घटना का जिक्र हो रहा है ।

(ग) से (ङ०). आकाशवाणी इस सम्मेलन को भारत तथा विदेश, दोनों में, काफी सार्वजनिक महत्व की घटना समझता है । इस लिये किसी साम्प्रदायिक दृष्टिकोण का प्रश्न नहीं उठता ।

Some hon. Members: The translation is not coming Mr. Speaker. The hon. Minister may read the English answer also.

Shrimati Indira Gandhi: (a) and (b). The proceedings as such of the Eucharistic Congress are not being brodcast. The event is however being noticed in news bulletins, newsreels and other suitable types of broadcasts.

(c) to (e). All India Radio is treating this Congress as an event of considerable public interest, both in India and abroad. As such the question of any 'Sectarian' approach does not arise.

Shri Narendrasingh Mahida: Last time, Sir, you requested us to exercise some restraint in the House in expressing any opinion on the Eucharistic Congress that is being held. I again remind you and through you, the House, that we should exercise some restraint on this.

Mr. Speaker: I again repeat the request and appeal.

डा० राम मनोहर लोहिया : हमेशा इस तरह से संयम की बात कहने का मतलब मेरी समझ में नहीं आता । आखिर सवाल आया है संयम ! संयम ! अगर संयम की बात है तो हर चीज पर संयम होना चाहिये ।

अध्यक्ष महोदय : यह क्या मतलब है कि सब लोग पूछना चाहते हैं, यह कोई नहीं . . .

श्री हुकम चन्द कछवाय : ताली बजने का क्या मतलब है ।

अध्यक्ष महोदय : यहां कई दफे तालियां बजाई जाती हैं। इस वक्त खास बात क्या हुई ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : जब प्रश्नों का उत्तर दिया जाता है तब ताली नहीं बजती, इस प्रश्न में क्या . . .

अध्यक्ष महोदय : कई दफे बजाई जाती है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : ऐसे प्रश्नों पर कभी ताली नहीं बजाई जाती ।

अध्यक्ष महोदय : मैं बड़ा हैरान हूं . .

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय : मैं इस का जवाब देना चाहता हूं :

अध्यक्ष महोदय : आप से किस ने कहा जवाब देने के लिये । श्री प्रकाशवीर शास्त्री।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : अभी माननीय मंत्री जी ने कहा है कि इस कांग्रेस का महत्व केवल भारत के लिये नहीं अपितु विश्व के लिए भी है क्योंकि विश्व के ईसाई इस में सम्मिलित हो रहे हैं । मेरा अपना निवेदन है कि ईसाइयों के एक सम्प्रदाय विशेष की कांग्रेस है, सारे ईसाइयों की कांग्रेस नहीं, जब कि उस के मुकाबले में . . .

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने यह नहीं कहा कि चूंकि ईसाई सम्मिलित हो रहे हैं इस लिये इसकी पब्लिक इम्पार्टेंस है । उन्होंने कहा कि यह पब्लिक इम्पार्टेन्स का ईवेंन्ट है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मेरे कहने का अभिप्राय यह है यह कि कांग्रेस एक सम्प्रदाय के भी एक वर्ग की है, जब कि उसके मुकाबले में बनारस के पास सारनाथ में विश्व के तमाम बौद्धों का सम्मेलन हो रहा है । इसमें किसी सम्प्रदाय विशेष की बात नहीं है । मैं जानना चाहता हूं कि जो सुविधाएं सरकार ने बम्बई की इस कांग्रेस को दी है, क्या बिल्कुल वही सुविधायें सारनाथ में होने वाली बुद्ध कान-फरेंस को भी प्रदान की गयी हैं ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी: करीब करीब वही सुविधायें दी गयी हैं। क्योंकि इस में बाहर के बहुत से लोग . . .

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : उस में भी बाहर के लोग आए हैं ।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : मेरा मतलब समाचार पत्रों के सम्वाददाताओं से है । वह इस में बहुत ज्यादा आए हैं । जो सुविधायें बम्बई में दी गयी हैं वे ही सारनाथ में भी दी गयी हैं।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं जानना चाहता हूं कि उस बम्बई की कान्फ्रेंस के समाचारों के प्रसारण के लिए, रनिंग कमेंटरी, न्यूजरील और फिल्म रील आदि के बारे में क्या उस कानफरेंस के संयोजकों ने सरकार को इसके लिए प्रार्थना की थी या आकाशवाणी ने स्वयं अपनी ओर से इसकी व्यवस्था की है ?

श्रीमती इंदिरा गांधी : यह मुझे को ठीक से मालूम नहीं है। लेकिन आपको मालूम होगा कि पोप केवल एक धर्म के नेता ही नहीं हैं, बल्कि वह एक स्टेट नेता भी हैं और उनका जो शानदार स्वागत बम्बई में किया गया वह केवल ईसाइयों के द्वारा ही नहीं हुआ, उस में सब धर्मों के लोग शामिल थे।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मेरे सवाल में यह बात नहीं थी जिसका उत्तर उन्होंने दे दिया।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाएं। आपके सवाल का तो उन्होंने अपने पहले शब्दों में ही जवाब दे दिया।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : और सब बातों को उस में कहने की क्या आवश्यकता थी। वे सब बातें उस में क्यों कही गयीं...

श्री बागड़ी : अगर किसी मंत्री से सवाल किया जाए और उस से अपने ऊपर से यह कह कर टाल दे कि मुझे पता नहीं, यह उचित नहीं है। उस को पता होना चाहिये। एक सवाल उन से किया गया, वह बात उन के हुक्म से हुई है और उसका उन के मुहकमे से ताल्लक है, तो फिर यह कह देना कि मुझे पता नहीं है, ठीक नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : अगर किसी मिनिस्टर को किसी बात का इल्म हो और उसके होते हुए वह जवाब न दे और कह दे कि मुझे इल्म नहीं है, तब तो यह एक गलत बात है जिस पर हाउस बेशक ऐसा एतराज उठा सकता है और मैं भी चाहता हूं कि मिनिस्टर को जो मालूम हो वह सब बताए। मगर यह बात कि किसी वक्त किसी मिनिस्टर को किसी चीज का इल्म न हो, यह कोई अजीब बात मैं नहीं मानता। इस में कौन सी बात है ? अगर मिनिस्टर कहता है कि मुझे इल्म नहीं है तो हमें मानना होगा कि उसे इल्म नहीं है जब तक कि हम बाद में इस बात को साबित न कर दें कि मिनिस्टर को इस बात का इल्म था और उस ने जान बूझकर हाउस को नहीं बताया। तब तो हाउस नाराज भी हो सकता है और अगर हाउस चाहे तो मिनिस्टर के खिलाफ एक्शन भी लिया जा सकता है। पर जब मिनिस्टर कहता है कि मुझे इल्म नहीं है, तो यह बात उस वक्त तो माननी होगी कि इल्म नहीं है और मिनिस्टर ने ठीक ही कहा है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : प्रश्न की सूचना सात दिन पहले दी जाती है और मंत्री महोदया को मायती हासिल करने का बहुत मौका होती है। फिर यह कह देना कि मायती नहीं है उचित नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : आपको कोई सवाल करना है या नहीं।

श्री शिव नारायण (बांसी) : मेरा एक्स-पीरियंस है कि अगर मिनिस्टर को कोई बात न मालूम हो तो उसको यह कहने का राइट है कि मुझे नोटिस चाहिए। (*Interruptions*).

श्री बागड़ी : जो सवाल किया गया उस के जवाब में पूरी जानकारी नहीं दी गयी, यह बात मेरी समझ में नहीं आयी। सवाल मंत्री महोदया के मारफत दिया गया उनको जानकारी हासिल करनी चाहिए थी। पर जवाब देते वक्त वह कह देती हैं कि पता नहीं। एक तो यह बात है। उनको पता करना जरूरी था। अगर इतना भी नहीं कर सकतीं तो देश की हिफाजप कैसे सरकार कर सकेगी। यह कह देदा कि मुझे पता नहीं है बिल्कुल उचित नहीं है। (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : यहां यह बात बहुत बढ़ रही है कि मैं चिल्लाता रहता हूं और कोई मेरी नहीं मानता। मैं इस बात को ज्यादा देर तक बरदाश्त नहीं कर सकता और मैं वारनिंग दे रहा हूं कि जिस वक्त फिर यह बात मेरे सामने आवेगी तो मैं एक्शन लूंगा। मैंने बहुत इन्तिजार किया मगर वाज वक्त सब्र भी खत्म हो जाता है। मैंने काफी सब्र किया है। मैं इसको बरदाश्त नहीं कर सकता कि मैं चिल्लाता रहूं और मेरी बात न सुनी जाए।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : मुझ से सवाल किया गया था कि आया उन लोगों ने सुविधा मांगी थी या हमने अपनी तरफ से पहल की। मैंने कहा कि मुझे इसका ज्ञान नहीं है। लेकिन यह सारा काम मेरी इजाजत से किया गया और इसकी मुझे पूरी जानकारी है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं जानना चाहता हूं कि सरकार की तरफ से जो इस ईसाई सम्मेलन को सहूलियत दी गई वह सारनाथ के सम्मेलन को भी दी गयी ? (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : जो उन्होंने सवाल किया है मैं समझ नहीं सका कि उसका कितना जवाब आ गया है कितना नहीं । उनका सवाल है कि जो सहूलियतें ईसाई सम्मेलन को दी नयीं वही सारनाथ में भी दी गयीं या नहीं ।

श्रीमती इंदिरा गांधी : मैं ने बताया है कि हां ।

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : मंत्री महोदया ने यह कहा कि यह संसार की विशेष घटना का विवरण दिया जा रहा है। एक विशेष घटना के विवरण में और विशेष सम्प्रदाय के प्रचार करने में क्या कोई अन्तर नहीं है । मैं समझता हूं कि मंत्री महोदया इस को विशेष घटना का विवरण कह कर हाउस को अन्धकार में रखना चाहती हैं ।

अध्यक्ष महोदय : वह कोई सवाल नहीं है । (*Interruptions*)

इतनी आवाजें इधर से आ रही हैं । क्या मैजारिटी पार्टी चाहती है कि सारा काम अपने हाथ में ले ले और मैं कुछ न करूं वह मुझे बता दें ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : वे हाउस में ये बादें इस लिये कहते हैं कि उन से वोट लेना चाहते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : आप सवाल करना चाहते हैं या मैं आगे चलूं ।

श्री शिव नारायण : यह तो हाउस की कटेम्प्ट है । (*Interruptions*)

एक माननीय सदस्य : शट अप ।

अध्यक्ष महोदय : यह क्या हो रहा है ?

श्री शिव नारायण : यह सारे हाउस की कंटम्प्ट कर रहे हैं और कहते हैं "शटअप' और आप उनको कुछ नहीं कहते । यह हाउस की डाइरेक्ट इन्सल्ट है ।

श्री बागड़ी : यह तो अपनी...

अध्यक्ष महोदय : बागड़ी साहब आप बाकी दिन के लिए बाहर चले जाएं, और इसमें फर्क नहीं होगा । शिव नारायण जी, आप भी बाहर चले जाएं ।

श्री बड़े : अभी मंत्री महोदया ने कहा कि सारनाथ में वही सुविधायें दी गई हैं जो कि बम्बई में दी गई हैं । मैं जानना चाहता हूं कि क्या सारनाथ के बारे में भी वैसे ही रनिंग कमेंटरी दी जाती है, जैसी बम्बई के सम्मेलन के बारे में ?

श्रीमती इंदिरा गांधी : मुझे ठीक से मालूम नहीं है ।

श्री यशपाल सिंह : एक बात समझ में नहीं आयी कि इसका मूल कारण क्या था कि यह समाजवादी सरकार साम्राज्यवाद के सब से बड़े प्रतीक के ऊपर लट्टू हो गयी और उसको . (*Interruptions*)

Mr. Speaker: This is no question.

Shri Hari Vishnu Kamath: Is it not a fact that his Holiness the Pope is the spiritual as well as the temporal head of a sovereign State, the Vatican State, with which India has got very friendly and cordial relations; and, if so, is it not a fact that any departure from the policy adopted by All-India Radio would be an indelible stain on India's secular escutcheon?

Shrimati Indira Gandhi: I do not think that anything we have done is a stain on our. . . .

Shri Hari Vishnu Kamath: Any departure from the policy . . .

Mr. Speaker: The hon. Minister has not followed the question.

Shrimati Indira Gandhi: Yes, I agree.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Inquiry into Floods in Krishna River

*334. **Shri Bhagwat Jha Azad:**
Shri S. M. Banerjee:
Shri Subodh Hansda:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Omkar Singh:
Shri Gulshan:
Shri D. B. Raju:

Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) whether Government have appointed an expert committee to inquire into the causes of the recent floods in Krishna and West Godavari districts in Andhra Pradesh; and

(b) if so, the terms of reference of this Committee?

The Minister of Irrigation and Power (Dr. K. L. Rao): (a) Yes, Sir.

(b) The terms of reference of the Committee are as under:

(i) to suggest a comprehensive Plan for control of floods in the coastal rivers like Budameru, Tammileru and Yerrakalva by construction of detention reservoirs or by diversion into adjoining valleys or any other methods.

(ii) to consider and recommend proposals for lowering the flood level of Kolleru lake either by improving the outfall channel, Upputeru, or by pumping, or by both.

(iii) to consider and recommend proposals for improving the drainage system in the districts of Godavari, Krishna and Guntur.

(iv) Any other recommendation that the committee desires to make for prevention of floods and inundation.

Irrigation and Rural Electrification Targets

*335. **Shri P. R. Chakraverti:**
Shri P. C. Borooah:
Shrimati Savitri Nigam:
Shri Ram Sewak:
Shrimati Renuka Barkataki:

Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) whether Government have fixed a target for the creation of irrigation potential of 100 million acres and the electrification of one lakh villages by October, 1969 to celebrate Gandhiji's birth centenary;

(b) what will be the overall irrigation potential at the end of the Third Plan including minor irrigation;

(c) whether the States have framed concrete plans for the implementation of the project; and

(d) whether the Centre has communicated its readiness to give necessary assistance to the States in the matter of finance and coordination?